(d) The Government has taken the following steps to eliminate the use of DDT as pesticide:—

(i) Use of DDT has been reviewed by the Government from time to time since 1984. Consequently, its use in agriculture was withdrawn in May, 1989 and its use in public health programme is allowed upto 10,000 MT per annum.

(ii) A number of safer synthetic pesticides as well as biocides have been registered for use in public health programme. Besides, priority has been accorded for early registration of biocides.

(iii) The Central Government has cosntituted a Group in January, 1997 under the Chairmanship of Union health secretary to mandate the use of DDT in the public health programme. The use of DDT would be gradually reduced in phased manner under public health programme.

किसानों को नियंत्रण मुक्त उर्वरक बेचने हेतु धन का आंबटन

2121. **श्री मूलचन्द मीणा** :
श्री अजीत जोगी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश को किसानों को नियंत्रण मुक्त उर्वरक छूट पर बेचने हेतु कितनी धनराशि प्रदान की गई हैं :,

(ख) क्या सरकार को इस धनराशि के दुरूपयोग के संबध में कोई शिकायत मिली हैं,

(ग) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या हैं, और

(घ) सरकार द्वारा इस संबध में क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र) : (क) किसानों को विनियंत्रित फास्फेटिक और पोटासिक उर्वरकों की बिक्री पर उर्वरक सप्लायरों को रियासत की राशि की प्रतिपूर्ति राज्य सरकारों और संघ शासितों क्षेत्र के प्रशासन से प्राप्त ब्रिकी की प्रामणित रिपोर्टों के आधार पर की जाती है । मध्य प्रदेश सरकार से प्राप्त बिक्री की प्रमाणित रिपोर्टो के आधार पर पर गत दो वर्षों के दौरान किए गए भुगतान का ब्यौरा नीचे दिया गया है : -

(लाख रूपए)	
1994-95	2641.84
1995-96	3179.57

(ख) जी, नहीं ।

(ग) और (घ) प्रश्न ही नहीं होता ।

तिलहनों और दालों के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी मिशन

2122. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में तिलहनों और दालों के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु प्रौद्योगिकी मिशन कार्यरत हैं,

(ख) यदि हां, तो इस मिशन के अंतर्गत दालों और तिलहनों के उत्पादकों को सहायता प्रदान करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं,

(ग) क्या गत वर्षों के दौरान देश में दालों और तिलहनों के उत्पादन मेंवृद्धि हुई हैं,

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 और 1995-96 के दौरान देश में दालों और तिलहनों की उत्पादकता दर क्या रही है, और

(ङ) 2002 ई.तक इन दरों में वृद्धि करने के संबध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) और (ख) जी, हां । देश में दलहन एंव तिलहनों के उत्पादन में वृद्धि लाने के लिए दो केन्द्रीय प्रयोजित योजनाएं अर्थात् राष्ट्रीय विकास परियोजना (एनपीडीपी) एंव तिलहन उत्पादन कार्यक्रम (ओपीपी) चलाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत, विभिन्न जरूरी आदानों जैसे बीजों के उत्पादन एव वितरण, मिनिकट का वितरण, राइजोबियम कृषि, जिप्सम/पाइराइट, उन्नत फार्म उपकरण, पौध संरक्षण उपकरण, किसान प्रशिक्षण स्प्रिकलर सेट इत्यादि के लिए इन दो फसलों के उत्पादकों को राजसहयता के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है । इसके अलावा, उत्पादन प्रौद्योगिकी